● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

02 चौबीस घंटे के भीतर पुलिस की कार्रवाई में हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

04 रंगोली प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 11 नवम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 274

डीसीएम बस में टक्कर, छह की मौत

बीएनएम@गोरखपुर

गोरखपुर-कुशीनगर हाईवे पर जगदीशपुर के पास गुरुवार की देर रात रोडवेज की अनुबंधित बस में तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई है जबकि 25 के आसपास घायल हैं। उनमें से 15 की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद डीसीएम चालक व खलासी फरार हैं।

एम्स थाना पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल व बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया है। इधर, हादसे की सूचना पर एसपी सिटी सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जयाजा लिया और त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया था। फिलहाल, सबकुछ अधिकारियों के निर्देश के मुताबिक

होना बताया जा रहा है। सदर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों को भी अलर्ट कर दिया गया है। इलाज में भी सक्रियता दिख रही है। ज्ञातव्य हो कि गोरखपुर से पडरौना जा रही इस बस में 51 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि सवारियों से भरी पड़रौना जा रही बस अभी जगदीशपुर के मल्लपुर के पास पहुँची थी कि बस का पहिया पंचर हो गया। बस को सड़क के किनारे खड़ी करके चालक और कंडक्टर ने दूसरी बस मंगवाया था। उसी बस में सवारियों को ट्रांसफर किया जा रहा था। कुछ सवारी बस में बैठ गए थे जबकि कुछ अभी दोनों बसों के बीच खड़े थे। इस बीच एक तेज रफ्तार डीसीएम ट्रक ने बस में पीछे से टक्कर मार दी।

इनकी हुई मौत

मृतकों में शैलेश पटेल (25) पुत्र नंदलाल पटेल, सुरेश चौहान पुत्र (35) पुत्र जवाहिर चौहान निवासी रुदवलिया, तुर्कपट्टी, कुशीनगर, नीतेश सिंह (25) पुत्र अशोक सिंह निवासी मदरहा, हाटा कुशीनगर, हिमांशु यादव पुत्र बांसरी यादव (24) निवासी मिश्रीपट्टी पडरौना, कुशीनगर शामिल हैं।

बीएस येदियुरप्पा के पुत्र विजयेंद्र को कर्नाटक भाजपा की कमान

नई दिल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र येदियुरप्पा को पार्टी की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विधायक विजयेंद्र येदियुरप्पा को कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया है। बयान में कहा गया है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

सरकार आते ही होगी जाति जनगणना: राहुल गांधी

सतना। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि एमपी में कांग्रेस की सरकार आते ही सबसे पहले जाति जनगणना हमारा कदम होगा। शुक्रवार को सतना में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार आने पर नेशनल कास्ट सेंसस भी होगा।

उन्होंने कहा कि जाति जनगणना देश का एक्सरे है। इसके बाद हर आदिवासी, दलित, जनरल और ओबीसी वर्ग को पता चल जाएगा कि उनकी आबादी कितनी है और उनकी भागीदारी कितनी होनी चाहिए। जब तक जाति जनगणना नहीं होगी, तब तक पिछड़ी जातियों को भागीदारी नहीं मिलेगी।

ये क्रांतिकारी काम है। इससे देश बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की जो नींव थी, उसको भाजपा ने उखाड़ कर फेंक

दिया। किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार और बेरोजगार इसकी नींव हैं, जिसे बीते 15 साल में भाजपा ने खत्म कर दिया है। मध्य प्रदेश में किसान को फसल का सही दाम नहीं मिलता, कर्ज लेना पड़ता है।

यहां 18 हजार किसानों ने आत्महत्या की है। मध्य प्रदेश में किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी डरे हुए हैं। सतना की सभा के बाद राहुल गांधी बड़वानी के राजपुर पहुंचे। उन्होंने यहां सभा को संबोधित करते हुए केंद्र और प्रदेश की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने शिवराज सरकार पर 50 फीसदी कमीशन लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छोटे दुकानदार, व्यवसायी ही रोजगार देते हैं लेकिन जीएसटी, नोटबंदी से कई व्यवसाय बंद हो गए।

दीपोत्सव के लिए शनिवार सुबह से ही 25 हजार वालंटियर्स 51 घाटों पर भरेंगे तेल

अयोध्या। सातवें दीपोत्सव के लिए अयोध्या पूरी तरह से तैयार हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुशल प्रबंधन में दीपोत्सव में वालंटियर्स के सहयोग से 24 लाख से अधिक दीयों को प्रज्ज्वलित करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने शुक्रवार को बताया कि शनिवार सुबह से ही वालंटियर्स दीयों में तेल भरने का कार्य करेंगे। सभी को एक-एक लीटर की सरसों तेल की बोतलें दी जाएंगी। हर वालंटियर सावधानी पूर्वक 30 दीये में तेल डालेगा। दीये का ऊपरी हिस्सा कुछ खाली रखा जाएगा ताकि तेल घाट पर न गिरे। दीये में तेल डालने के बाद बाती के

आगे वाले भाग पर कपूर का पाउडर लगाएंगे, जिससे वालंटियर्स को दीये प्रज्ज्वलित करने में आसानी होगी। प्रत्येक घाट पर दीयों को प्रज्ज्वलित करने के लिए कैंडल, माचिस, डंडे लगे कैंडल तथा अन्य सामग्री घाट के अनुसार निर्धारित दीयों की संख्या के अनुपात में एक ही बार में समन्वयकों को उपलब्ध करा दी जाएगी।

आतंकवाद में कमी आई: अमित शाह

देहरादून। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के 62 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जवानों की सेवा, उनका त्याग और बलिदान अनमोल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा को लगातार मजबूत किया जा रहा है। जम्मू- कश्मीर में अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है। शुक्रवार को सीमा द्वार स्थित आईटीबीपी के 62 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गृहमंत्री अमित शाह ने हिमवीरों को संबोधित करते हुए यह बातें कही। इस दौरान गृह मंत्री ने परेड के निरीक्षण कर सलामी ली। इस दौरान गृह मंत्री ने आईटीबीपी के स्थापना दिवस पर वाइब्रेंट विलेज और प्रथम गांव से आए नागरिकों और प्रदेशवासियों व हिमवीरों को शुभकामनाएं दीं।

गृह मंत्री ने कहा कि देश के वीर जवानों की बदौलत आज हम चैन की नींद सोते हैं। देश के दुर्गम क्षेत्रों में सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए हिमवीर -45 डिग्री में अपनी सेवा देते हैं। ऐसे जवानों के लिए दिवाली पर एक दीप जवानों के नाम जलाना होगा। अमित शाह ने जवानों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आप देश की सुरक्षा की चिंता कीजिए, आपके परिवार की चिंता भारत सरकार करेगी। अमित शाह ने कहा कि जवानों की मांग के अनुसार सेवा की तर्ज पर वायुयान और रेलवे में कोटा तय कर दिया गया है।

मुश्किल डीआईजी व एसएसपी रांची से पत्रकार की सुरक्षा की गुहार

उग्रवादी संगठन टीपीसी के नाम पर मिली धमकी

रांची। पिपरवार से दैनिक आज के पत्रकार मिथलेश कुमार नायक उर्फ विपिन को ख़बर प्रकाशित करने के उपरांत टीपीसी के नाम पर मिल रही धमकी को भारती श्रमजीवी संघ एवं बीएसपीएस की झारखंड राज्य इकाई झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) ने गंभीरता से लेते हुए मामले की पूरी जानकारी रांची जोनल डीआईजीअनूप बिरथरे एवं एसएसपी रांची चंदन सिन्हा से मिलकर लिखित रूप में दी।

आवेदन के साथ पत्रकार विपिन द्वारा प्रकाशित खबर, व्हाट्सएप कॉल पर धमकी के साक्ष्य को उपरोक्त अधिकारियों को सौंपा। टीपीसी के नाम पर मिल रही लगातार धमकी से वह इतना भयभीत हो गया है कि वे धनतेरस के अवसर पर भी अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने घर नहीं गया। संगठन के संस्थापक

शाहनवाज हसन ने आज डीआईजी और एसएसपी रांची से मिलकर इस घटना को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि चतरा जिला में दो पत्रकारों की हत्या के बाद से संगठन के वरीय अधिकारी काफ़ी चिंतित हैं। उग्रवादी घटना का शिकार होने वाले पत्रकारों ने जान मरने की मिली धमकी की पुलिस को पूर्व में सूचना दी थी उसके बाबजूद उनकी हत्या हो गई।

पत्रकार संगठन की ओर से पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए पत्रकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। दोनों ही वरीय अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल निर्देश जारी किया है।

मुख्यमंत्री ने जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास कार्य का किया उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को विकास भवन के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत बेसमेंट पार्किंग, बाहरी आवरण एवं नये चतुर्थ तल का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने विकास भवन के नवनिर्मित बेसमेंट पार्किंग का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित जीविका दीदी की रसोई का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने विकास भवन के नये चतुर्थ तल का उद्घाटन किया और निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री विकास भवन के छत पर भी गये। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छत पर सोलर प्लेट लगायें। विकास भवन की चहारदीवारी को और ऊंचा करें। परिसर में साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था रखें। सभी चीजों को व्यवस्थित ढंग से रखें, ताकि विकास भवन परिसर का बाहरी दृश्य भी खूबसूरत दिखे।

मुख्यमंत्री ने विकास भवन में उद्योग विभाग के इन्वेस्ट बिहार की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वेश्वरैया भवन के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास कार्य के अन्तर्गत बेसमेंट पार्किंग का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया।

चौबीस घंटे के भीतर पुलिस की कार्रवाई में हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

अररिया। अररिया की फारबिसगंज थाना पुलिस ने चौबीस घंटे के भीतर हथियार का भय दिखाकर मोटरसाइकिल की छिनतई की घटना का उद्भेदन कर लिया।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल दो बदमाशों को हथियार के साथ चोरी की मोटरसाइकिल के पार्ट्स की बरामदगी करते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त अपाची मोटरसाइकिल भी बरामद किया।गिरफ्तार दोनों बदमाश फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मधुरा गांव का रहने वाला 20 वर्षीय मो.कुर्बान पिता-मो.सुलतान और 19 वर्षीय प्रियांशु कुमार पिता - नरेश सिंह को गिरफ्तार किया। कल नौ नवंबर की रात को घोड़ाघाट निवासी 22 वर्षीय मो.नदीम पिता-मो.शौकत ने फारबिसगंज थाना में आवेदन देकर मुखिया चौक के पास रात्रि में आने के क्रम में अपाची बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने घेराव कर पिस्तौल का भय दिखाते हुए उनकी मोटरसाइकिल हीरो ग्लैमर संख्या -बीआर11एएल को छीन लिया।सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए फारबिसगंज थाना पुलिस ने सूचना और तकनीकी अनुसंधान का सहारा लेते हुए दोनों बदमाशों को धर दबोचा।गिरफ्तार बदमाशों के स्वीकारोक्ति और निशानदेही के आधार पर कांड की लूटी गई बाइक का काटा हुआ पार्ट्स बरामद किया।

सदन के बाहर आपस में भिड़े भाजपा-राजद विधायक

पटना। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को राजद और भाजपा के विधायक सदन के बाहर आपस में भिड़ गए। बिहार विधानसभा में आरक्षण बिल पास होने को लेकर सत्तारूढ़ दल के विधायकों में काफी खुशी नजर आ रही है। ऐसे में राजद के विधायक मुकेश रौशन भाजपा के विधायक संजय सिंह को मिठाई खिलाने पहुंच गए। राजद विधायक ने भाजपा विधायक की तरफ मिठाई का डब्बा आगे किया और मिठाई लेने का आग्रह किया।

इस दौरान भाजपा के विधायक जीतन राम मांझी मामले में सरकार के खिलाफ पोस्टर लेकर नारेबाजी कर रहे थे। लिहाजा उनको राजद विधायक के तरफ से मिठाई का निमंत्रण मिलना रास नहीं आया और वह गुस्से से लाल हो गए। नौबत हाथापाई की आ गई। ऐसे में दोनों दलों के कुछ विधायकों को बीच-बचाव करने आना पड़ा, तब जाकर मामला शांत हुआ।

दूसरी ओर बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को सदन में जोरदार हंगामा हुआ है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जीतन राम मांझी पर किए सीएम नीतीश के तुम-तड़ाक के खिलाफ विपक्षी दलों के सांसद वेल में पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी बीच विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के लोग वेल में पहुंच गए। नीतीश के खिलाफ विपक्ष की नारेबाजी हुई तो पीएम मोदी के खिलाफ सत्ता पक्ष की नारेबाजी शुरू हो गई। इस बीच मार्शलों ने एक्शन लिया और सभी का पोस्टर छीन लिया।

जिन्हें गांव के विद्यालय में नहीं बनना है शिक्षक, वह दे दें इस्तीफा: के.के. पाठक

बेगूसराय। शिक्षा विभाग बिहार के अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक ने कहा है कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय की हुई है। जो शिक्षक ग्रामीण क्षेत्र में नहीं रह सकते हैं वह नौकरी छोड़ दें।

गुरुवार की रात बेगूसराय पहुंचते ही के.के. पाठक सबसे पहले रात करीब 9:30 बजे डायट शाहपुर पहुंचे। जहां उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे बीपीएससी उत्तीर्ण नवनियुक्त शिक्षकों से संवाद किया। अधिकारियों के साथ पहुंचे के.के. पाठक ने संवाद के बाद डाइट के विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा तथा निरीक्षण एवं चर्चा करने कर अधिकारियों को निर्देश दिए।

इसके बाद के.के. पाठक, डीएम रोशन कुशवाहा एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी शर्मिला राय सहित अन्य अधिकारियों के साथ पीटीसी विष्णुपुर पहुंचे। यहां भी उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवनियुक्त शिक्षकों के साथ संवाद किया। प्रशिक्षण के व्यवस्थाओं एवं अन्य मुद्दों की जानकारी ली, उन्होंने पीटीसी का निरीक्षण भी किया।

दोनों जगहों पर नवनियुक्त शिक्षकों के साथ संवाद में के.के. पाठक ने कहा है कि आप सबों को प्रशिक्षण समाप्त होते ही नियुक्ति पत्र मिल जाएगा। नियुक्ति पत्र सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कंप्यूटर द्वारा जनरेट होगा। जिसमें कहीं से कोई गड़बड़ी नहीं हो सकती है। कंप्यूटर तय करेगा कि आपको किस गांव में जाना है। आप सबों की नियुक्ति ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में होगी।

के.के. पाठक ने सभी से उनके मूल निवास स्थान की जानकारी ली। इसके बाद कहा कि आप लोग नियोजित नहीं नियुक्त शिक्षक हैं। आपने अपनी मेघा, अपना मेरिट और सिंसेयरिटी को साबित कर दिया है। गांव में रहना है, जो गांव में नहीं रह सकते, उनके लिए यह नौकरी नहीं है, अभी भी नौकरी छोड़ दें। आपकी नियुक्ति से गांव के लोगों में जोश है। पूरे राज्य के सभी गांव में लोग आपका इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गांव के विद्यालय में शहर के अंग्रेजी स्कूलों से बेहतर पढ़ाई दें। जिससे बच्चे कहने लगें कि अच्छी पढ़ाई के लिए चलो सरकारी स्कूल। सरकार को भी आपसे काफी आशा है, स्कूल जाएं और अच्छे से पढ़ाएं। इधर, रात में के.के. पाठक के बेगूसराय पहुंचते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। शिक्षक से लेकर अधिकारी तक अलर्ट मोड में हैं।

विरोध | नीतीश व मोदी के खिलफ हुई नारेबाजी

मांझी प्रकरण को लेकर विधानसभा में हंगामा

बीएनएम@पटना

बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को सदन में जोरदार हंगामा हुआ, जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी गई।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जीतन राम मांझी पर किए सीएम नीतीश के तुम-तड़ाक के खिलाफ विपक्षी दलों के सांसद वेल में पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी बीच विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के लोग वेल में पहुंच गए। नीतीश के खिलाफ विपक्ष की नारेबाजी हुई तो पीएम मोदी के खिलाफ सत्ता पक्ष की नारेबाजी शुरू हो गई।

इस बीच मार्शलों ने एक्शन लिया और सभी का पोस्टर छीन लिया। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इसके पहले पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी शुक्रवार को धरना पर बैठ गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक दिन पहले ही विधानसभा में उन्हें तुम-तड़ाक किया था।अपने अपमान से आहत मांझी ने विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन अब सीएम नीतीश के खिलाफ धरना दे रहे हैं। उनके साथ भाजपा के कई नेता भी धरने में शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा में गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी पर आग बबूला हो गए। कहा कि उनकी मूर्खता की वजह से मांझी मुख्यमंत्री बन गए। अब गवर्नर बनने के लिए भाजपा वालों के पीछे घूम रहे हैं। हालांकि, सीएम के गुस्से के बाद जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार यदि आपको लगता है कि आपने मुझे मुख्यमंत्री बनाया, यह आपकी भूल है। जब जदयू विधायकों ने लतियाना शुरू किया तो उसके डर से आप कुर्सी छोड़कर भाग गए थे। अपनी नामर्दी छुपाने के लिए एक दलित पर ही वार कर सकते हैं। औकात है तो ललन सिंह के खिलाफ बोलकर दिखाइए जो आपका ऑपरेशन कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने विकास भवन के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास कार्य का किया उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को विकास भवन के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत बेसमेंट पार्किंग, बाहरी आवरण एवं नये चतुर्थ तल का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने विकास भवन के नवनिर्मित बेसमेंट पार्किंग का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित जीविका दीदी की रसोई का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से बातचीत कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने विकास भवन के नये चतुर्थ तल का उद्घाटन किया और निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री विकास भवन के छत पर भी गये। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छत पर सोलर प्लेट लगायें। विकास भवन की चहारदीवारी को और ऊंचा करें। परिसर में साफ-सफाई की

पूरी व्यवस्था रखें। सभी चीजों को व्यवस्थित ढंग से रखें, ताकि विकास भवन परिसर का बाहरी दृश्य भी खूबसूरत दिखे। मुख्यमंत्री ने विकास भवन में उद्योग विभाग के इन्वेस्ट बिहार की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वेश्वरैया भवन के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास कार्य के अन्तर्गत बेसमेंट पार्किंग का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया।

कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

गैस रिसाव से पसरी आग की लपेट में आने से 22 लोग झुलसे

आग से झुलसी गंभीर रूप से घायल महिला गंगामती देवी की हुई मौत

रामगढ़वा। रामगढ़वा के बडकी पखनहिय में गुरुवार की संध्या गैस रिसाव से पसरी आग की लपट में आने से गंभीर रूप से झुलसी गंगामति देवी की मृत्यु इलाज के दौरान हो गई है इनका इलाज बेतिया स्थित ऐम जेके हॉस्पिटल में चल रहा था।

यहां भर्ती लोगों में योद्धा सा की पत्नी सोनम देवी की हालत नाजुक बताया जा रहा है और इनको अस्पताल में ऑक्सीजन पर रखा गया है। कुछ अन्य घायलों का उपचार चल रहा है लेकिन कुछ लोग जो अभी बाहर जाने की स्थिति में हैं उनमें एक घायल वेक्ति बाहर बेहतर इलाज हेतु रेफर कर चुका है।

बता दे की गुरुवार की संध्या पखनहीय गांव में सिलेंडर की गैस की आग की लपट में आने से 22 लोग झुलस गए थे। इनमें अच्छे लाल शाह की पत्नी गंगा माती देवी गंभीर रूप से झुलस गई थी।और आज उनकी मृत्यु हो गई है गंभीर घायलों में सोनम देवी जीवन मृत्यु के बीच झूल रही है। जबकि सोनू कुमार विनोद कुमार मिथिलेश कुमार और कन्हैया कुमार का भी हालत दयनीय बताया जा रहा है।

आग की लपेट में झुलस कर मृत्यु गंगा माती देवी की ही घर पर यह घटना घटित हुई है।इनकी मौत की खबर सुनते ही पूरा गांव में मातम का माहौल बन गया है।और उन जख्मी लोगों के परिजन उनके जल्द आरयोग होने की लिए पूजा पाठ कर रहे हैं।अस्पताल में भी कोहराम मचा हुआ है और इधर पखनहीया गांव में भी चीख कोहराम का नजारा है।

क्रॉप कटिंग कर उपज दर जानने डीएम पहुंचे शंकर सरैया

समाचार भेजें
किसी भी प्रकार का समाचार, विचार एवं विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें- 9471060219
ई-मेल भेजें
bordernewsmirror
@gmail.com
share your news

बीएनएम@तुरकौलिया

प्रखण्ड अंतर्गत शंकर सरैया उतरी पंचायत में धान की फसल की क्रॉप कटिंग कर उपज दर जानने के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल व जिला सांख्यिकी पदाधिकारी जयप्रकाश सिंह पहुंचे। जहां उनके अलावे प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रमेंद्र कुमार, सीओ पिंटू कुमार, आरओ सुबोध कुमार, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी कमलदेव प्रसाद, जेएसएस अरविंद कुमार ठाकुर, मुखिया अशरफ आलम आदि ने शंकर सरैया शेख सारण टोला निवासी इजहार आलम के खेत में धान की फसल अपने हाथों में लिए हंसिया से क्रॉप कटिंग किया। क्रॉप कटिंग 50 वर्ग मीटर में की गई। इस दौरान 32.770 किलोग्राम हरा धान का दाना प्राप्त हुआ। इससे कुल उपज दर 26.216 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से हुई है। जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल ने सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को तेजी से क्रॉप कटिंग का कार्य संपन्न कराने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने विभागीय मापदंड का पालन करने को कहा।

वही उन्होंने कहा कि क्रॉप कटिंग से पंचायत में कितने धान की उपज होती है। इसकी जानकारी मिलती है। क्रॉप कटिंग के दौरान बीडीओ रमेंद्र कुमार, बीओ कमलदेव प्रसाद, सीओ पिंटू कुमार, आरओ सुबोध कुमार, थानाध्यक्ष अनिल कुमार, मुखिया अशरफ आलम, ब्रजेश कुमार, धनंजय कुमार, अनिल उदय, रघुवंश सिंह, जितेंद्र कुमार, विपिन कुमार, अजय शर्मा, यूगलकिशोर आदि मौजूद थे।

विरोध | तुरकौलिया पूर्वी पंचायत में चोरी से बेची जा रही थी शराब

ग्रामीणों ने शराब कारोबारियों की लगाई क्लास

तुरकौलिया

एक तरफ बिहार सरकार शराब बंदी कानून को सफल बनाने को लेकर जगह-जगह पुलिस द्वारा छापेमारी कि जा रही है।

वही दूसरी तरफ लोग शराब बेचना बंद नहीं कर रहे हैं। इसी तरह का मामला तुरकौलिया पूर्वी पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 8 और 9 में दो व्यक्ति द्वारा देसी चुलाई शराब बेचा जा रहा था। जहां ग्रामीणों ने इसकी सूचना सरपंच व पंचायत के जनप्रतिनिधियों को दिया।

वहीं जैसे ही शराब बेचने की सूचना जनप्रतिनिधि को पता चला। तो पंचायत में ही एक बैठक बुलाई गई। जहां उक्त दोनों शराब कारोबारी को बुलाकर समझाया गया। और उसके पास से रखे प्लास्टिक के बोतल में देसी शराब को नष्ट कर दिया गया। और पंचों द्वारा हिदायत दिया गया की इसके बाद अगर गांव में कोई भी व्यक्ति शराब बेचेगा या पिएगा उसको पकड़ कर सीधे पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा।

मौके पर जिप पति हेमंत किशोर वर्मा, मुखिया विनय कुमार, सरपंच पुनदेव सहनी, उप सरपंच अजमल कमाल उर्फ लाल, अजय सहनी, धुप सहनी, मोहन राम सहित दर्जनों लोग थे।

काठमांडू की महिला से 70 लाख की ठगी, मुकदमा दर्ज

बेतिया। देश से बाहर नौकरी दिलाने के नाम पर नेपाली महिला से 70 लाख रुपये की ठगी कर ली गई है। मामले में नेपाल के काठमांडू निवासी महिला आसन छई ने शिकारपुर थाने में आवेदन दिया है। इसमें मुरली खरकटवा गांव निवासी मनोज पटेल को आरोपित किया गया है।

आरोप है कि मनोज पटेल से उसकी पुरानी जान पहचान है। महिला का काठमांडू में खुद की फैक्ट्री है। महिला अपने बेटे को विदेश भेजना चाहती थी। आरोपित मनोज पटेल ने महिला को झांसा दिया कि विदेश में उसके पुत्र को अच्छी नौकरी लगवा देगा। इसके लिए रुपये की जरूरत होगी। महिला उसके झांसे में आकर धीरे धीरे उसके खाते में रुपए भेजती गई। आरोपित ने महिला से बारी बारी से 70 लाख रुपये ले लिया। इधर ,जब महिला अपने दिए रुपए को वापस मांगने लगी तो वह महिला को जान से मारने की धमकी देने लगा। महिला थक हारकर थाने पहुंची।

उत्सव

रंगोली प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

बीएनएम@केसरिया। क्षेत्र के बैशखवा स्थित डीपीएस विद्यालय में गुरुवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न प्रकार की रंगोली उकेरी। इस रंगोली के माध्यम से समाज को कई संदेश दिये। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के वर्ग आठ, नौ व 10 के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यालय की निदेशिका रूबी सिंह ने बेहतरीन रंगोली बनाने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। मौके पर प्राचार्या जुही कुमारी, मुस्कान, गरिमा, श्रेया, संध्या, जिज्ञासा, अमन, अर्णव, सार्थक सहित अन्य मौजूद थे।

बेतिया मे धनतेरस पर जमकर हुई खरीदारी और बिक्री

बेतिया। बेतिया से लेकर गांव तक शुक्रवार को धनतेरस की खरीददारी करने को ले देर शाम तक खरीदार जुटे रहे। बाजारों में रौनक देखी गई। रंग-बिरंगी साज सज्जा से बाजार गुलजार रहे। ज्वेलरी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक और मिठाई के दुकानों से लेकर किराना दुकानो पर भीड रही। धनतेरस पर नये बर्तन, आभूषण, चांदी के सिक्के सहित झाड़ू की खरीददारी जमकर लोगों ने किया।

सुबह से बाजारों में भीड लगने लगी थी। शाम को तो जाम जैसी स्थिति हो गई। सभी जगह बाजारों के दुकानों में सजावट की गई थी। देर शाम तक लोग खरीदारी करते दिखे। दिपावली के लिए मिठाई व कपड़े आदि की दुकान पर भी जमकर खरीदारी हुई। लोगों ने मिट्टी के दीये, खिलौने, कलैंडर, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति भी खरीदें। चांदी के सिक्के की भी खास मांग देखी गई।

बिजली की झालरों और आतिशबाजी खरीदारी का जोर युवाओं में देखने को मिला। कारोबारियों ने भी अच्छे व्यवसाय की उम्मीद पर दुकानों को फूल माला से सजाया था। कपड़ों और पटाखों की दुकानों पर भी भीड उमड़ी। सोने-चांदी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ रही, लेकिन सबसे अधिक बिक्री बर्तनो की हुई है।

दहेज हत्या मामले में पति को दस वर्षों का सश्रम कारावास

मोतिहारी। तेरहवीं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविशंकर ने दहेज हत्या मामले में दोषी पाते हुए नामजद अभियुक्त को दस वर्षों का सश्रम कारावास की सजा सुनाए। सजा रामगढवा थाना के विशंभरपुर निवासी मोहम्मद इस्लाम उर्फ फूलबाबू को हुई।

मामले में मुजफ्फरपुर मिठनपुरा के कन्हौली डीह निवासी मोहम्मद अली अकबर ने रामगढ़वा थाना कांड संख्या -6/2013 दर्ज कराते मृतक अफसाना खातून के पति मो० इस्लाम उर्फ फूलबाबू, सास हसीना खातून सहित परिवार के आधा दर्जन लोगों को आरोपित किया था। जिसमें कहा था कि दामाद सहित नामजद सभी लोग दहेज में एक लाख रूपए की मांग करते थे। मांग पूरी नहीं होने पर वे लोग उसकी पुत्री को मारपीट कर घर से भगा दिए। इसको लेकर मुजफ्फरपुर व्यवहार न्यायालय में परिवाद दायर हुआ था। बाद में पंचों के कहने पर समझौता हुआ और उसकी पुत्री अपने ससुराल गई। परंतु नामजद लोगों का रवैया नहीं बदला और 14 जनवरी 2013 को उसकी पुत्री को जला कर हत्या कर दिए।

सत्रवाद संख्या-207/2019 विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक तारीकुल आजम ने आठ गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने विचारण के बाद मोहम्मद इस्लाम को दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए। वहीं साक्ष्य के अभाव में अन्य अभियुक्त आरोप से बरी कर दिए गए।

यूपीएससी की तैयारी कर रही विजेंद्र की पुत्री की पढ़ाई में रुपए नहीं बनेगी बाधा : राकेश

विजेंद्र के आश्रित को ब्रावो फाउंडेशन ने फिलहाल दी एक लाख की आर्थिक मदद

कैब ड्राइवर विजेंद्र की असामाजिक तत्वों ने कर दी थी हत्या

मोतिहारी। ब्रावो फार्मा के सीएमडी सह ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक राकेश पांडेय ने दिवंगत कैब ड्राइवर विजेंद्र कुमार के आश्रितों को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी। गुरुवार को दिल्ली पहुंचे राकेश पांडेय ने दिवंगत विजेंद्र की पत्नी से मुलाकात की और उनका हाल जाना। वहीं यूपीएससी की तैयारी कर रही उनकी पुत्री से भी बातचीत की। गौरतलब हो कि पूर्वी चंपारण अंतर्गत गोविंदगंज थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी दिल्ली में विजेंद्र कैब चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। करीब एक डेढ़ माह पूर्व असामाजिक तत्वों ने वाहन से कुचलकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। यूपीएससी की तैयारी कर उनकी बच्ची की पढ़ाई में आर्थिक समस्याएं उत्पन्न होने लगी। इसकी जानकारी ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक राकेश पांडेय को मिली। शुक्रवार को विजेंद्र के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचे राकेश पांडेय में उनके आश्रित को एक लाख रुपए की आर्थिक मदद दी। वहीं आगे भी आवश्यकता पड़ने पर मदद का भरोसा दिया। इस कड़ी में उन्होंने विजेंद्र के साथ हुई घटना की तीव्र भर्त्सना की। उन्होंने विजेंद्र की पुत्री से भी बातचीत की और संबल दिया कि अपनी पढ़ाई जारी रखिए, आपके पढ़ाई का खर्च ब्रावो फाउंडेशन उठाएगी। आपकी पढ़ाई में रुपए बाधा नहीं बनेगी। श्री पांडेय द्वारा मिले भरोसा के बाद विजेंद्र का परिवार खुश नजर आया। मौके पर सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता मौजूद थे।

पर्यावरण अनुकूल दीपावली से समाज होगा प्रदूषण मुक्त और आत्मनिर्भर : त्रिभुवन

मोतिहारी। रविवार को मनाए जाने वाले दीपावली को लेकर हर ओर उत्साह का माहौल है। बाजार सजे हुए हैं, गांव में कुम्हार चक पर बनाए गए मिट्टी के दीप को सुखाकर रंग कर लगातार बाजार भेज रहे हैं। बाजारों में भारतीय ही नहीं चाइनीज लाइटें भी भर गई है। लोग चाइनीज, प्लास्टिक और थर्मोकोल से बने सामानों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं।

दीपावली में हम धड़ल्ले से चाइनीज और आर्टिफिशियल दीप, दीया, लाइट सजावट आदि लाइटिंग का जबरदस्त प्रयोग करते हैं तो अगली सुबह अनगिनत कीट पतंगों को मृत पाए जाते हैं। जबकि पहले ऐसा नहीं होता था, जिसका सबसे बड़ा कारण था ग्रीन या इक्को दीपावली। आज हम आधुनिक भावावेष से ग्रसित होकर पर्यावरण प्रदूषित दिवाली मनाते हैं। तो क्यों नहीं इस बार पूर्वजों की तरह दीपावली मनाएं और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दें।

हरित और पर्यावरण अनुकूल दीपावली रोशनी के त्योहार के समान है। हरित दीपावली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें लापरवाही से बचते हैं और अपने पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करते हैं। दीपावली पर पटाखे जलाने से पर्यावरण खतरनाक स्तर तक प्रदूषित होता है, इसलिए ग्लोबल वार्मिंग की संभावना बढ़ जाती है। पर्यावरण-अनुकूल दीपावली मनाने के पीछे मुख्य विचार पर्यावरण की स्थिरता को बनाए रखना और ग्रह-पृथ्वी की रक्षा करना है।

सभी जानते हैं कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए कितना हानिकारक है। यह एक गैर-बायोडिग्रेडेबल पदार्थ है जो हवा, पानी और पृथ्वी को अत्यधिक प्रदूषित करता है। इसलिए हमें स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीयों और दीयों का उपयोग करना चाहिए। मिट्टी के दीयों के उपयोग के दो फायदे हैं, इससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा और इससे कुम्हारों को मदद मिलेगी, जिनकी आजीविका इन वस्तुओं की बिक्री पर निर्भर करती है।

समाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन चौबे कहते हैं कि भागदौड़ की जिंदगी और आधुनिकता से वशीभूत होकर हम अपनी पारंपरिक एवं पौराणिक संस्कृति को दरकिनार करते जा रहे हैं। जो कहीं ना कहीं हमारे पूर्वजों के द्वारा पूर्णता की कसौटी कसा था, जो हमारे जीवन रक्षार्थ बना रहता था। लेकिन आज हम उसे भूलते जा रहे हैं, जिनके परिणाम दूरगामी और भयंकर होता प्रतीत हो रहा है।

दीपावली की रात घर को रोशन करने के लिए मिट्टी के दीये बेहतरीन और सदियों पुराना रिवाज हैं। लेकिन आज कल लोग दीपावली में घरों में मोमबत्तियां जलाते हैं जो पेट्रोलियम पदार्थ युक्त होते हैं और पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना चाहते हैं तो मिट्टी के दीयों से घर को सजाएं।

BORDER NEWS MIRROR

Editorial

Saturday 11 November 2023

समग्र विकास का अभियान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के समग्र विकास का अभियान चला रहे हैं। उनके कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की सकारात्मक छवि कायम हुई है। योगी आदित्यनाथ पूरे प्रदेश का भ्रमण भी करते हैं। चालू परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं। पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का लोकार्पण करते हैं। नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करते हैं। उनकी यात्राओं में यह एजेंडा प्रमुख होता है। कार्यक्रमों में सनातन चिंतन के प्रति उनकी आस्था की भी अभिव्यक्त होती है। उन्होंने काशी में कहा कि सनातन धर्म कृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने वाला धर्म है। किसी के उत्तम कार्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने वाला महान धर्म सनातन धर्म है। सनातन धर्म हमें हमेशा अपने पूर्वजों, अपनी परम्परा और समाज के लिए योगदान देने वाले महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। सनातन धर्म की परम्परा में अन्नदान के अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं। अन्नदान की महत्ता को एक भारतीय से ज्यादा और कोई नहीं समझ सकता। योगी आदित्यनाथ ने पूज्य भाईजी अन्न क्षेत्र का औपचारिक उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार स्मृति सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित दृष्टिबाधित विद्यालय में अन्न क्षेत्र का शुभारम्भ होना एक सुखद अनुभूति करने वाला क्षण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगजन और समाज को एक नई दृष्टि दी है। आज केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजन के कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम व अभियान चलाए जा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था एवं दीपावली के आयोजन की तैयारियों की विस्तृत एवं गहन समीक्षा की है। उन्होंने पावर कॉरपोरेशन को आगामी त्योहारों व मांगलिक कार्यक्रमों के दौरान बिजली की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। वो जनपद मीरजापुर में दो सौ करोड़ करोड़ रुपये से अधिक और प्रयागराज में करीब सवा तीन हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर चुके हैं। अमेठी के त्रिशुंडी औद्योगिक क्षेत्र में एसएलएमजी बेवरेजेज के बॉटलिंग प्लांट का उद्घाटन कर चुके हैं।

नरक से मुक्ति का मार्ग दीपदान

योगेश कुमार गोयल

भारत में कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, उसकी श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' के नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रुप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीपावाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 11 नवंबर को मनाया जाएगा या 12 नवंबर को। दरअसल कई स्थानों पर यह पर्व इस बार दीपावाली के साथ 12 नवंबर को ही मनाए जाने का उल्लेख है लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि इस बार 11 नवंबर 2023 को दोपहर 1 बजकर 57 मिनट पर शुरु होगी और अगले दिन 12 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 44 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में यह पर्व 11 नवंबर को ही मनाया जाएगा। इस दिन सायं 5 बजकर 29 मिनट से लेकर 8 बजकर 7 मिनट तक दीपदान का शुभ मुहूर्त है। इस पर्व को 'नरक चौदस', 'रुप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम का अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरुपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16,000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16,000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण और पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरु हुई।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

पर्यावरण अनुकूल हरित कृषि के लिए अभिनव नैनो उर्वरक

डॉ. मनसुख मांडविया

देश की 1.4 बिलियन आबादी को अनाज की उपलब्धता हो, इसके लिए खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करने की आवश्यकता है। उर्वरक, कृषि उत्पादन को बढ़ाने के महत्वपूर्ण इनपुट में से एक है। पिछले नौ वर्षों में हमारे प्रयासों के फलस्वरूप यूरिया की उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है, जो नाइट्रोजन (एन) स्रोत का एक प्रमुख उर्वरक है। यूरिया उत्पादन बढ़कर 283.74 एलएमटी/वर्ष हो गया है, जो 2013-14 के 207.54 एलएमटी/वर्ष की तुलना में बड़ी छलांग है। इसी प्रकार, उर्वरक उद्योग (सार्वजनिक, सहकारी और निजी कंपनियों समेत) भी फॉस्फेट (पी) और पोटाश (के) आधारित उर्वरकों के अन्य प्रमुख पोषक तत्वों को सक्रिय रुप से बढ़ावा दे रहा है। सतत कृषि के लिए एनपीके उर्वरकों का संतुलित उपयोग आवश्यक है। हालांकि, फसल उत्पादकता बढ़ाने और लगातार बढ़ती आबादी को खाद्यान्न उपलब्ध कराने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उर्वरकों के अधिक और असंतुलित उपयोग के कारण मिट्टी की उर्वरता तथा मिट्टी और जल संरक्षण के महत्वपूर्ण पहलू को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। परिणामस्वरुप मिट्टी में पोषक तत्वों और पानी की कमी हो गई है, जो उनकी उर्वरता स्थिति में दिखायी पड़ती है। इसकी वजह से उर्वरक उपयोग दक्षता (एफयूई) को बढ़ाने और मिट्टी व पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए एक अभिनव तकनीक की आवश्यकता हुई। इस समस्या को हल करने और उर्वरक के कम उपयोग द्वारा ही अधिक उत्पादन करने संबंधी समाधान के रुप में नए युग की नैनो तकनीक सामने आई है, यानी इनपुट उपयोग की दक्षता बढ़ाने के साथ पर्यावरण फुटप्रिंट में कमी करना। मेक इन इंडिया के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान से प्रेरणा लेते हुए, भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने नैनो यूरिया (तरल) विकसित किया है, जो स्वदेशी रुप से विकसित पहला नैनो उर्वरक है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के "नैनो कृषि-इनपुट पर दिशानिर्देश" के अनुरुप व्यापक क्षेत्र परीक्षणों और सख्त जैव-प्रभाव व जैव-सुरक्षा परीक्षण प्रोटोकॉल पूरा करने के बाद नैनो यूरिया को 2021 में उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ) के तहत अधिसूचित किया गया। यह राष्ट्र की खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमृत काल के दौरान 'आत्मनिर्भर कृषि' और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत की गई पहल का एक आदर्श उदाहरण है। अब तक, गुजरात के कलोल तथा उत्तर प्रदेश के फूलपुर और ओनला में 17 करोड़ बोतलों की क्षमता वाले नैनो यूरिया संयंत्र स्थापित किए गए हैं। 2025 तक, नांगल, ट्रॉम्बे, बेंगलुरु, देवगढ़, गुवाहटी समेत कई स्थानों पर अन्य नैनो संयंत्र तैयार हो जाएंगे, जिससे नैनो यूरिया उत्पादन क्षमता 44 करोड़ बोतल/वर्ष से अधिक हो जाएगी, जो पारंपरिक यूरिया के लगभग 195 एलएमटी के बराबर होगी। नैनो यूरिया की कीमत यूरिया के एक बैग की कीमत से 16 प्रतिशत कम है और किसान इसे आसानी से अपने खेतों तक ले जा सकते हैं। इस वजह से नैनो यूरिया की बोतलों की बिक्री में वृद्धि हुई है। अधिकांश युवा किसानों ने इस सुविधा की सराहना की है। लॉजिस्टिक्स और भंडारण लागत के मामले में भी नैनो यूरिया के लाभ देखे जा सकते हैं। एक पारंपरिक उर्वरक रेक (बीसीएनएचएल) में पारंपरिक यूरिया के 69,600 बैग की ढुलाई की जा सकती है, जबकि ऐसा ही अन्य रेक नैनो यूरिया की 29 लाख बोतलें ले जा सकता है। इसी तरह, 533 बैग यूरिया ले जाने वाला एक 24 मीट्रिक टन ट्रक नैनो यूरिया की 30,000 बोतलें ले जा सकता है। पूंजीगत व्यय, ऊर्जा खपत और कार्बन डाइऑक्साइड के कम उत्सर्जन के मामले में भी पारंपरिक यूरिया संयंत्र की तुलना में नैनो यूरिया संयंत्र लाभप्रद हैं। नैनो यूरिया- एनयू (तरल) पोषक तत्व उपयोग की उच्च दक्षता (एनयूई) प्रदर्शित करता है और इसे अपनाने से कृषि उत्पादकता, उपज की गुणवत्ता, किसानों के लिए लाभ में वृद्धि होती है, जबकि मिट्टी, जल और वायु प्रदूषण, लॉजिस्टिक्स एवं भंडारण लागत में कमी आती है।

(लेखक, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरकमंत्री हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

ना कहना भी है एक कला है

श्याम कुमार कोलारे

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे1 इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो 1 परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती है, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते है इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है1 आप हमेशा काम वगैर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते है, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है,आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है1

किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है1 अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है 1 इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलो को भी प्रोपेस्नल कामो में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलो को खोते रहता है1

हमें रोज़मर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते है कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। 'न' एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए 'न' उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी जानते है कि 'न' कह देने से हम जीवन की अनेक कठिनाइयों से बच सकते हैं।

जतिन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फील्ड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है1 वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है1 कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगो का चयन में जतिन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगो का नाम आगे आता है, जतिन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है1 हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते है1 अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है1 आखिर यह सब हुआ "ना" नहीं कहने के कारण1 हर काम के लिए हमेशा "हाँ" कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते है 1 आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी 1 कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को "न" नही कह पाते है 1 लेकिन आपको यह समझना होगा कि काम करने के लिए "हां" कहने के बाद समय की कमी के चलते काम ख़राब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक ख़राब होगी1 कई स्थानों पर आपके पास "ना" कहना आसान नहीं होता है 1 सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए 1 साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरुरी है1 आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते है जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते है-

दोस्तों के दबाव से बचे

अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे ''पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया।" इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खडे होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फंसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढता है1

अपनी ऊर्जा को बचाए रखें

कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते है और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोडते है। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं। अपने समय,निजता और ऊर्जा को बचाने का आसान और सीधा तरीका है ना कहना। ना को किस जगह कैसे फिट करना है, यह आप पर निर्भर करता है। जैसे पढ़ाई करते समय फ़ोन चलाना, फेसबुक या व्हाट्सएप पर से ध्यान हटाना, भोजन को मन से खाने के लिए फोन को दूर रखना, वजन कम करना है, किसी की बातो में ना आकर अपने विवेक से कम लेना, अपना समय एवं रूचि को ध्यान में रखते हुए कार्य करना1

लघुकथा: मेरा नाम क्या है

वीरेंद्र बहादुर सिंह

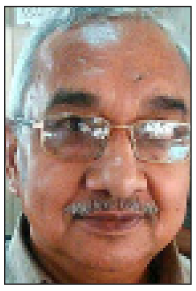

इक्यान्नवे साल की उम्र में अचानक आई इस व्याधि से वह आकुल-व्याकुल हो उठे। तकलीफ विचित्र थी। सुबह उठने के साथ ही उन्हें अपना नाम ही नहीं याद आ रहा था। लगभग दो घंटे तक वह कमरे में इधर से उधर चक्कर लगाते रहे। मर चुकी पत्नी भी 'कहती हूं' कह कर ही बुलाती थी, इसलिए उसने भी कोई नाम दिया हो, याद नहीं आ रहा था।

स्वर्गस्थ पत्नी के फोटो के नीचे उसके नाम के पीछे उनका नाम था। परंतु पिछले साल फोटो के पीछे चले गए बरसात की पानी की वजह से उस जगह इस तरह के दाग पड़ गए थे कि नाम पढ़ने में ही नहीं आ रहा था। जबकि पढ़ने में भी आ रहा होता तो अनपढ़ आंखें पढ़ ही कहां पातीं। गांव के अपने घर में होते तो किसी से पूछ लेते। पर इस समय तो वह बेटे के घर शहर में थे। यहां तो ज्यादा लोग उन्हें पहचानते भी नहीं थे।

विदेश कमाने गए बेटे के उसकी कर्कश बहू थी। अगर उससे पूछ लेते तो वह इस तरह बात का बतंगड़ बनाएगी कि सोच कर ही उन्हें चक्कर आ गया। बेटे को विदेश फोन लगाया और जैसे ही पूछा कि मेरा नाम क्या है? वहां तो जब चाहे फोन लगा कर पूछने के बदले जो सुनने को मिला कि... पर नाम का पता नहीं चला। खूब सोच-विचार कर छोटे पोते को पास बुला कर पूछा, बाबू, तुम्हें मेरा नाम पता है?

उसने हां में सिर हिलाया। पर नाम बोलने के लिए चाकलेट की खातिर दस रुपए मांगे। दस की नोट पकड़ा कर अपना नाम पूछा तो जवाब मिला, दादाजी।

अरे यह नहीं, मेरा नाम बोलो।

हां, वही तो कह रहा हूं। आप का नाम दादाजी है। मैं तो यही तो कह कर बुलाता हूं। कह कर पोता भाग गया।

इसी चिंता में वह घर के बाहर निकले तो सामने मिठाई की दुकान वाले ने 'नमस्कार' किया। बड़ी उम्मीद के साथ वह दुकान पर पहुंचे और सकुचाते हुए पूछा, भाई, तुम्हें मेरा नाम मालूम है?

जवाब में दुकानदार ने जोर से हंस कर कहा, आप भी न, सालों से आप को चाचा कहता आ रहा हूं तो आप का नाम जान कर क्या करना है।

गांव से बचपन के दोस्त का फोन आया। फोन रिसीव होते ही उसने पूछा, पप्पू मजे में है न?

उन्हें खुशी हुई, लगा कि उनका नाम पप्पू है। कन्फर्म करने के लिए पूछा तो दोस्त ने कहा, उम्र की वजह से ठीक से याद नहीं। पर पप्पू तेरी कसम, नाम तो तेरा कोई दूसरा है, पर मैं तो बचपन से तुझे पप्पू ही कहता आ रहा हूं।

दोस्त की इस बात से वह और चिढ़ गए। मैं भी कैसा आदमी हूं कि अपना नाम भी याद नहीं है। इसकी अपेक्षा तो मर जाना ठीक है।

बड़ी मेहनत से वह छत पर गए। वह छलांग लगाने जा रहे थे कि उनके फोन की घंटी बजी। फोन उठाते ही दूसरी ओर से कहा गया, रामप्रसादजी, आप को लोन चाहिए? यह सुन कर रामप्रसाद मुसकरा उठे।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

©सरस्वती धानेश्वरभ, भिलाई, छत्तीसगढ़

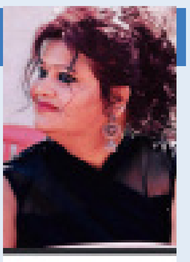

एहसास __

अलहदा है अकेले पन का सुकून,
अनोखा रहस्यमय आभास,
कई रक्तिम आभाओं को समेटे
बांधे रखता है खुद से खुद को!
कई भूली बिसरी यादें,
कुछ सिमटी सी परछाइयां,
थम सी जाती है जहन में,
दर्पण की मानिंद निहारतीं है खुद को,
दे जाती है कई सपने,
और आंखों में घूम जाती है एक सुनहरी सदी!
यादों के भंवर लेकर बदल जाते हैं मन के पलचिन्ह,
अनवरत कारवां गुज़र जाता है पहरों तक,
समय का ठहराव रुकता नही,न रूठना,
न मनाना बस अंतर्द्वंद्व का निश्छल बहते जाना!
जिज्ञासा मंद पड़ जाती है,
तृष्णा शनैः स्वतः शांत हो जाती है,
न पाना न खोना,न मिलना,न बिछड़ना,
जिंदगी का बस यूं ही चलते जाना!

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

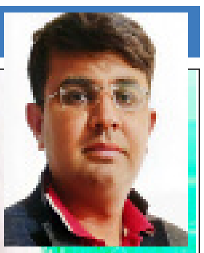

हारा-थका किसान

बजते घुंघरू बैल के, मानो गाये गीत।
चप्पा-चप्पा खिल उठे, पा हलधर की प्रीत।।
देता पानी खेत को, जागे सारी रात।
चुनकर कांटे बांटता, फूलों की सौगात।।

आंधी खेल बिगाड़ती, मौसम दे अभिशाप।
मेहनत से न भागता, सर्दी हो या ताप।।
बदल गया मौसम अहो, हारा-थका किसान।
सूखे-सूखे खेत हैं, सूने बिन खलिहान।।

चूल्हा कैसे यूं जले, रही न कौड़ी पास।
रोते बच्चे देखकर, होता खूब उदास।।
ख़्वाबों में खिलते रहे, पीले सरसों खेत।
धरती बंजर हो गई, दिखे रेत ही रेत।।

दीपों की रंगीनियाँ, होली का अनुराग।
रोई आँखें देखकर, नहीं हमारे भाग।।
दुख-दर्दों से है भरा, हलधर का संसार।
सच्चे दिल से पर करे, ये माटी से प्यार।।

(सत्यवान 'सौरभ' के चर्चित दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' से।)

नमिता गुप्ता मनसी, मेरठ

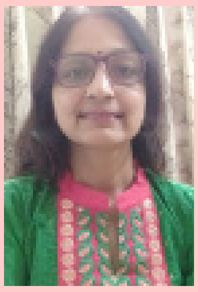

ये अधूरे प्रेम-पत्र..

हैरत की बात है न
जब भी लिखना चाहा
आसमां ने
एक प्रेम-पत्र
धरा के लिए,
कुछ लिख ही नही सका
बस, पिघल गया
बारिश बनकर,
शायद इसीलिए
धरा भी लिखती रही
सभी असंम्प्रेषित खतों के जवाब
हरी चुनर पहनकर
चुपचाप ही!!
सुनों..
इसी आपसी लिखावट में
खोजते चले आ रहे हैं
हम-तुम
अपना-अपना प्रेम
सदियों से अब तक!!
यूं भी
कितना सुखद होता है न
कभी-कभी
कुछ न लिख पाना
किसी के लिए,
और.. पढ़ा जाना
उसके द्वारा
सारा का सारा
वो अलिखा भी!!
तो हैं न कितने खूबसूरत
ये अधूरे प्रेम-पत्र
अपने संपूर्ण प्रेम के साथ!!

प्रेग्नेंसी में रखना है नवरात्र का व्रत, तो पहले ज़रूर जान लें ये बातें

देशभर में नवरात्र का त्योहार बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। खासतौर पर उत्तर भारत में लोग मां दूर्गा के 9 स्वरूपों को पूजते हैं और व्रत भी रखते हैं। हेल्थ एक्सपट्‌र्स दिल की बीमारी, डायबिटीज़, बीपी या प्रेग्नेंसी में व्रत रखने की सलाह नहीं देते हैं। हालांकि, प्रेग्नेंसी में जो महिलाएं व्रत कर रही हैं, उन्हें अतिरिक्त सावधानियां बरतने की ज़रूरत होती है ताकि शरीर में पोषण की कमी न हो और बच्चे के विकास पर इसका असर न पड़े।

अगर आप भी प्रेग्नेंसी में नवरात्र के उपवस करने की सोच रही हैं, तो बेहतर है कि नीचे बताई गई बातों का ध्यान पूरा रखें।

- खूब सारा पानी पिएं, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे। पानी के अलावा आप नारियल का पानी, स्मूदी, छाछ, नींबू पानी, लस्सी आदि भी पी सकती हैं। ध्यान रहे कि एक सांस में कुछ भी न पी लें, बेहतर है कि छोटे-छोटे घूंट पिएं।
- प्रेग्नेंसी के दौरान कब्ज़ की समस्या आम हो जाती है, इसलिए इससे बचने के लिए फाइबर से भरपूर खाना ज़रूर खाएं। मौसमी फलों और खीरा, टमाटर, गाजर आदि जैसी सब्जियां फाइबर से भरी होती हैं।
- प्रेग्नेंसी में अगर आप व्रत रख रही हैं, तो दिन में छोटे-छोटे मील्स लेते रहें। एसिडिटी, मतली या बदहज़मी से बचने के लिए मील्स के बीच में 2 से 3 घंटे का गैप ज़रूर रखें।
- साबुत अनाज में कार्ब्स होते हैं, जो आपको पूरे दिन ऊर्जा देने का काम करते हैं। आम चावल और आटे की जगह कुट्टू के आटे, सिंघाड़े का आटा और राजगिरा के आटे का उपयोग करें।
- दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स रोज़ 2-3 बार खाएं।
- आलू के चिप्स, आलू की पूरियां, टिक्की, साबुदाना की टिक्की आदि जैसे तले और प्रोसेस्ड फूड्स ज़्यादा न खाएं। हालांकि, आप भुने हुए मखाने और अखरोट, बादाम और किशमिश जैसे नट्स का सेवन कर सकती हैं।

पर्यटन स्थलों पर सुविधाएं मौजूद नहीं होने से कम संख्या में पहुंच रहे पर्यटक

तहसील के वन क्षेत्रों में मौजूद पर्यटन स्थलों पर आम पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित करने का दावा वन विभाग लंबे समय से करता आ रहा है। लेकिन अभी तक वन क्षेत्रों में टूरिज्म डेवलपमेंट के कोई खास काम नहीं हो सके है।

चिढ़ी खो अभ्यारणय को छोड़कर यदि आसपास के पर्यटन स्थल श्यामजी, कोटरा, सोलहखंभ, नादिया पानी, कोदूपानी आदि की बात की जाए तो यहां अभी भी कई सुविधाओं का अभाव है। जिसके कारण यहां पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा नहीं हो पा रहा है। जबकि शहर के आसपास वन क्षेत्र की सीमा में ऐसे ऐतिहासिक घरोहरें मौजूद हैं। जिनका यदि ढंग से संरक्षण कर लिया जाए तो क्षेत्र का पर्यटन और अधिक बढ़ सकता है। मध्यप्रदेश टूरिज्म भी लगातार अपने ट्विटर हेंडल से षहर के खूबसूरत पर्यटक स्थलों को लेकर ट्वीट कर रहे है। लेकिन वन विभाग ने इन पर्यटन स्थलों को सहेजने की कोई तैयारी नहीं की है। फिलहाल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रषासन एवं वन विभाग को संयुक्त रूप से योजना तैयार कर टूरिज्म विकास के लिए काम करना चाहिए। बजट के अभाव में संरक्षित नहीं हो सकीं धरोहरें। शहर के वन क्षेत्रों में मौजूद 40 हजार वर्ष पुराने षैलचित्रों के संरक्षण के लिए वन विभाग के प्रस्ताव पर तीन लाख रुपये की राशि आने की बात कही जा रही थी। लेकिन अभी तक राषि स्वीकृत नहीं हो सकी। वन विभाग ने कोटरा, श्यामजी ग्रामीणों को जनभागीदारी के माध्यम से पर्यटकों के लिए वाहन, कैंटीन, जैसी सुविधाएं विकसित किए जाने का प्रस्ताव भी रखा था। विभाग को पर्यटन मद से इसके लिए राषि भी खर्च करने की योजना भी तैयार की थी।

सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्बिटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैसजैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है। वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिंस और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूस निकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने की जगह अनानास खाएं।

3. एप्पल जूस

जहां रोज़ाना एक सेब खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता।

घुंघराले बालों की समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकते हैं ये घरेलू नुस्खे

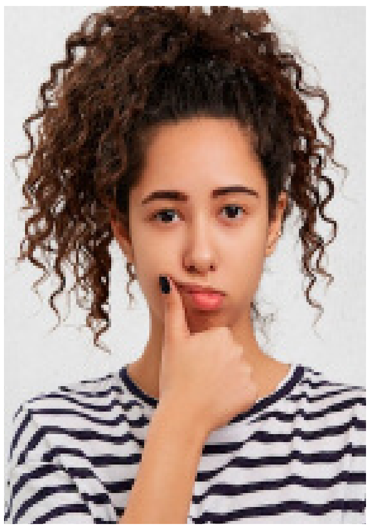

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कर्ली लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रूखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका आएगा काम

सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है। लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से धो लें। महीने में दो बार इस नुस्खे को दोहराएं।

अंडे का करें इस्तेमाल

अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंट लें। अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

बीयर है प्रभावी

बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

एवोकाडो करेगा मदद

एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें।

Saturday
11 November 2023

BNM Fantasy

"तेजस" की पहले दिन कमाई निराशाजनक

कंगना रनौत की फिल्म ''तेजस'' 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। कंगना कई दिनों से इस फिल्म का प्रमोशन कर रही थीं, इसलिए फिल्म काफी चर्चा में रही। फिल्म की रिलीज के बाद अब इसकी पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो ''तेजस'' ने बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कंगना की फिल्म तेजस ने पहले दिन सिर्फ 1.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। यह संख्या उम्मीद से काफी कम है। फिल्म के विषय को देखते हुए उम्मीद थी कि यह इससे बेहतर ओपनिंग देगी। यह फिल्म देशभर में करीब 1300 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है।

म

'मेंटल हेल्थ डे' पर आमिर खान और उनकी बेटी आइरा ने दिया अहम संदेश

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर) पर आमिर खान और उनकी बेटी आइरा ने एक अहम संदेश दिया है। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती, नतीजतन कई लोग तनाव में रहते हैं। वे अपना दर्द दूसरों के सामने व्यक्त नहीं कर पाते हैं। इस दिन के मौके पर आइरा ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के साथ एक वीडियो शेयर किया है। इसमें आमिर कहते हैं, “अगर हमें कठिन मैथ्स सीखना है, तो हम स्कूल या शिक्षकों के पास जाते हैं, अगर हम बाल कटवाना चाहते हैं, तो हम सैलून में जाते हैं। चाहे घर में फर्नीचर का काम हो या बाथरूम में प्लंबिंग का काम हो, हम उसी व्यक्ति के पास जाते हैं जो इसमें माहिर होता है। हम बीमार होते हैं तो डॉक्टर के पास जाते हैं। जिंदगी में कई चीजें ऐसी होती हैं जो हम खुद नहीं कर सकते, जिसके लिए हमें दूसरे की मदद की जरूरत होती है।” आइरा आगे कहती हैं, जब हमें मानसिक या भावनात्मक मदद की ज़रूरत होती है, तो हमें उतनी ही आसानी से बिना किसी हिचकिचाहट के किसी ऐसे व्यक्ति की मदद लेनी चाहिए, जो उस काम में कुशल हो।” आमिर ने कहा, “मैं और मेरी बेटी आयरा पिछले कई सालों से थेरेपी ले रहे हैं। अगर आपको भी लगता है कि आप मानसिक या भावनात्मक समस्याओं, चिंता या अवसाद जैसी किसी समस्या से गुज़र रहे हैं, तो किसी पेशेवर की तलाश करें और मदद लें, क्योंकि इसमें शर्मिंदा होने की कोई बात नहीं है।”

जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी

कैटरीना कैफ

टाइगर-3 में कैटरीना जोया का किरदार निभाती है। जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस का रोल है। फिलम में वह लड़ाई या रणनीति में टाइगर उर्फ सलमान खान से बराबरी करती हैं। कैटरीना के जोया के किरदार को एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है में उन्हें खूब प्यार मिला है। उन्होंने दिखाया है कि वह अपने दम पर अविश्वसनीय एक्शन सीक्वेंस कर सकती हैं। यशराज फिल्म्स ने मंगलवार को जोया के रूप में कैटरीना के सोलो पोस्टर का अनावरण किया गया। इस मौके पर लोगों ने उनके अभिनय की सराहना की। लोगों का कहना है कि टाइगर-वर्स कैटरीना कैफ के अलावा कोई भी जोया की भूमिका नहीं निभा सकता है। इस मौके पर कैटरीना ने खुलासा किया कि टाइगर-3 के शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण एक्शन दृश्यों को निभाने के लिए उन्होंने अपने बॉडी को 'ब्रेकिंग पॉइंट' तक धकेल दिया। कैटरीना कहती हैं, 'ज़ोया वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस हैं और मुझे उनके जैसा किरदार पाकर बहुत गर्व है। वह उग्र है, वह साहसी है, वह पूरी तरह से समर्पित, वफादार है और सबसे बढ़कर वह हर समय मानवता के लिए खड़ी रहती है।' उन्होंने कहा कि, "वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी रही है और मैंने हर फिल्म में खुद को परखा है। टाइगर-3 कोई अपवाद नहीं है। हम इस बार एक्शन दृश्यों को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे और मैंने फिल्म के लिए अपने बॉडी को ढाला है। शारीरिक रूप से यह मेरी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म रही है। एक्शन करना हमेशा रोमांचक होता है और मैं हमेशा से एक्शन जॉनर की प्रशंसक रही हूं। इसलिए, जोया का किरदार निभाना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मजबूत, साहसी, बदमाश और कोई रोकटोक नहीं। मैं लोगों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूं। जब वे जोया को स्क्रीन पर देखेंगे। वह टाइगर की यिन टू यांग है।' फिल्म टाइगर-3 का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है और इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। यह फिल्म इस साल बड़ी दिवाली की छुट्टियों के दौरान रिलीज़ होगी।